कैलिफोर्निया लॉकडाउन, न्यूयॉर्क में सेना तैनाती की मांग

महामारी का प्रकोप ▶ दुनियाभर में कोरोना वायरस से दस हजार से ज्यादा की गई जान, अमेरिकियों को स्वदेश नहीं लौटने पर बाहर ही रहने की दी गई चेतावनी

इटली ने विदेशी क्रूज के लिए बंद किए पोर्ट, लॉकडाउन की अवधि बढ़ी

लॉस एंजिलिस, एजेंसियां : यूरोप और अमेरिका कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित हैं। महामारी से मुकाबले के लिए कई सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत की करीब चार करोड़ आबादी को घरों में ही रहने के लिए कह दिया गया है। कोरोना के मरीजों की संख्या में भारी इजाफे के बाद न्यूयॉर्क के मेयर बिल डी ब्लासिओ ने सेना तैनात करने की मांग की है।

चीन के बाद वायरस के प्रकोप से सबसे ज्यादा त्रस्त इटली ने विदेशी क्रूज के लिए अपने पोर्ट बंद कर दिए हैं। लॉकडाउन की अविध भी अगले माह तक बढ़ा दी गई है। इटली में चीन से भी ज्यादा मौत हो चुकी हैं। जबकि पूरी दुनिया में मरने वालों का आंकड़ा दस हजार के पार पहुंच गया है।

कैलिफोर्निया को गुरुवार शाम से लॉकडाउन कर दिया गया। न्यूयॉर्क के मेयर ब्लासिओ ने कहा कि पूरा शहर महामारी से जूझ रहा है। संकट का सामना करने के लिए सेना को तैनात किया जाना चाहिए। अकेले न्यूयॉर्क में ही 3,615 मामले सामने आ चुके हैं। पड़ोसी देश मेक्सिको से अमेरिका में आवाजाही पर भी अंकुश लगा दी गई है। विदेश दौरे पर गए अमेरिकियों को चेतावनी दी गई है कि अगर वे तत्काल नहीं लौटे तो अनिश्चितकाल के लिए बाहर ही रह जाएंगे।

- मलेशिया में पाबंदियों को सख्ती से लागू कराने के लिए सेना तैनात की जाएगी, करीब 900 मामलों की पुष्टि
- ईरान में पीड़ितों का आंकड़ा 20 हजार के करीब पहुंचा, बीते 24 घंटे में 149 और पीड़ितों ने दम तोड़ दिया
- फ्रांस के करीब एक लाख 30 हजार नागरिक विदेश में फंसे हैं, उन्हें लाने के प्रयास किए जा रहे हैं

सर्वाधिक प्रभावित देश

देश	मौत	संक्रमित
इटली	3405	41,035
चीन	3,248	80,967
ईरान	1433	19,840
स्पेन	1,002	19,980
फ्रांस	372	10995
अमेरिका	200	13880
ब्रिटेन	144	3269
द. कोरिया	94	8652
नीदरलैंड्स	76	2460
जर्मनी	44	13,959

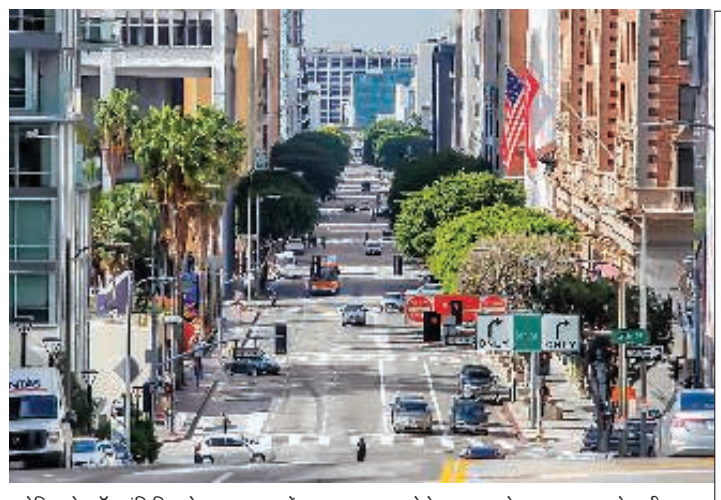

अमेरिका के लॉस एंजिलिस के डाउन टाउन में पसरा सन्नाटा। कोरोना वायरस के कारण चार करोड़ की आबादी वाले कैलिफोर्निया प्रांत में लोगों को घरों में रहने के निर्देश जारी किए गए हैं। एएफपी

इधर यूरोपीय देश फ्रांस में भी लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने की तैयारी चल रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री भी कह चुके हैं कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडिज ने भी 31 मार्च तक के लिए लॉकडाउन का एलान किया है। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो राज्य के सभी प्रसिद्ध समुद्र तटों के साथ ही रेस्तरां और बार भी 15 दिनों के लिए बंद कर दिए गए हैं।

यूएन महासचिव ने किया आगाह : संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासचिव एंटोनियो गुतेरस ने आगाह किया है कि कोरोना वायरस का भयावह प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा, अगर हमने जंगलों में लगी आग की तरह इसे फैलने दिया तो लाखों लोगों की मौत हो जाएगी।

स्पेन में मृतकों का आंकड़ा एक हजार के पार : स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में कोरोना वायरस से मृतकों की संख्या बढ़कर 1,002 हो गई। पिछले 24 घंटे के दौरान 235 लोगों ने दम तोड़ा। जबकि 2833 नए मामलों के साथ पीड़ितों की संख्या बढ़कर 19,980 हो गई है। देश में कोरोना से सबसे ज्यादा मैड्रिड शहर प्रभावित है। इस शहर में ही 7165 मामले सामने आए हैं।

ब्रिटेन में शादी में सिर्फ पांच लोगों को इजाजत : चर्च ऑफ इंग्लैंड ने कोरोना वायरस के चलते शादी में आने वाले लोगों की संख्या सीमित कर दी है। इसकी वेबसाइट पर कहा गया है कि चर्च में होने वाली शादी में सिर्फ पांच लोगों दूल्हा, दुल्हन, दो गवाह और पादरी को मौजूद रहने की अनुमति होगी।

श्रीलंका में कर्फ्यू का एलान

कोलंबो, प्रेट्र : श्रीलंका सरकार ने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए शुक्रवार से पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया। राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के दफ्तर ने एलान किया है कि शुक्रवार शाम छह बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक पूरे देश में कर्फ्यू रहेगा। यह कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाया गया सबसे बड़ा कदम है। इससे पहले चुनाव आयोग ने देश में 25 अप्रैल को होने वाले संसदीय चुनाव स्थगित करने की घोषणा की थी। श्रीलंका में अब तक 66 मरीजों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हो चुकी है। संक्रमण की आशंका में करीब 2,400 लोगों को विशेष चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। इससे पहले देश के पश्चिमी तट के इलाकों में कर्फ्यू लगाया गया था, लेकिन इससे सामाजिक दूरी का लक्ष्य पूरी तरह हासिल नहीं हो पाया। संक्रमण को रोकने के लिए श्रीलंका से सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें पहले ही बंद कर दी गई हैं।

जर्मनी में कर्फ्यू लगाने की चेतावनी : जर्मनी के स्वास्थ्य अधिकारियों ने आगाह किया है कि देश के 8.3 करोड़ नागरिकों ने अगर रोकथाम के उपायों को नहीं अपनाया तो कर्फ्यू लगाया जा सकता है। जर्मनी में अब तक 13,959 मामलों की पुष्टि हुई है।

कोरोना का 'तोड़' निकालने में मददगार बना सुपर कंप्यूटर

वाशिंगटन, एजेंसियां : कोरोना वायरस जिसे तेजी से फैल रहा है उसकी काट निकालने में दुनिया भर के वैज्ञानिक दिन रात लगे हुए हैं। ताजा जानकारी सामने आई है कि अमेरिका का सबसे शक्तिशाली सुपर कंप्यूटर समिट ने उसका तोड़ तलाशने में काफी मददगार साबित हो रहा है। समिट ने गहन विश्लेषण कर ऐसे 77 कंपाउंड का पता लगाया है जो कोरोना वायरस को होस्ट सेल संक्रमित करने से रोक सकते हैं। इस खोज से वैज्ञानिक बहुत उत्साहित हैं। इस नतीजे से कोरोना से निपटने की दवा और टीका बनाने में बहुत आसानी होगी।

अमेरिका के टेनेसी राज्य की ओक रिज लैब में स्थित इस सुपर कंप्यूटर के निष्कर्षों को लैब की जर्नल में प्रकाशित किया गया है। अमेरिका के ऊर्जा विभाग के इस सुपर कंप्यूटर को अमेरिकी दिग्गज कंपनी आइबीएम ने तैयार किया था। यह 2014 से काम कर रहा है। इसकी क्षमता बेमिसाल है। सरल शब्दों में समझा जाए तो यह एक शक्तिशाली लैपटॉप के मुकाबले करीब दस लाख गुना तेजी से गणनाएं कर सकता है। इस सुपर कंप्यूटर समिट की मदद सेऔर वालंटियर्स पर किए गए प्रयोगों से शोधकर्ताओं ने ऐसे कंपाउंड तलाश लिए हैं जो कोरोना का विस्तार रोक सकते हैं। परीक्षण के दौरान करीब 8000 कंपाउंड आजमाए गए जिनमें से 77 ऐसे पाए गए जो उम्मीद की किरण जगाते हैं।

ओक रिज नेशनल लैब फार मालीक्युलर बायो फिजिक्स के डाइरेक्टर जेरेमी स्मिथ का कहना है कि अभी हम ये दावा नहीं कर रहे हैं कि हमने कोई इलाज तलाश लिया है। हालांकि जो परिणाम आए हैं वे उत्साहजनक हैं और भविष्य में कोई सटीक इलाज ढूंढने में मददगार होंगे। किसी ठोस नतीजे पर पहुंचने के लिए इन परीक्षणों को फिर से दोहराया जाएगा।

कामयाबी

- शक्तिशाली कंप्यूटर समिट ने 77 कारगर कंपाउंड तलाशे
- शोधकर्ता उत्साहित, सटीक इलाज खोजने में होगी आसानी

पाकिस्तान को मिलेंगे साढ़े चार हजार करोड़

इस्लामाबाद, प्रेट्र : कोरोना के तेजी से फैल रहे मामलों को देखते हुए पाकिस्तान सरकार की मदद की गुहार विश्व बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) ने सुन ली है। संक्रमण से उपजे हालात से लड़ने के लिए पाकिस्तान को दोनों संस्थान मिलकर 58.8 करोड़ डॉलर (करीब 4,443 करोड़ रुपये) की सहायता राशि देंगे। इसकी घोषणा शुक्रवार को पाकिस्तान के योजना आयोग ने की। देश में कोरोना पीड़ितों की संख्या 451 हो गई है और तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान की इमरान सरकार ने आपात स्थिति से निपटने के लिए वैश्विक संस्थानों से आर्थिक मदद की गुहार लगाई थी। सहायता की यह राशि पाकिस्तान में विश्व बैंक के निदेशक इलांगो पाशा-मुथु और एडीबी के निदेशक शियाओहोंग यांग के साथ योजना आयोग के उपाध्यक्ष मुहम्मद जहानजेब की बैठक में तय हुई।

वायरस को रोकने के लिए बच्चों पर इसका असर जानना जरूरी

न्यूयॉर्क, आइएएनएस : कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे के बीच शोधकर्ताओं ने कहा है कि वायरस से बच्चों पर पड़ने वाले असर को समझकर ही इस वायरस के मॉडल को सही तरह से जाना जा सकता है। ऐसा होने से इसका प्रसार रोकना और सही इलाज दे पाना संभव होगा। जर्नल पीडियाट्रिक्स में शोधकर्ता एल. जीशनर और एंड्रिया टी. क्रूज का कहना है कि वायरस से प्रभावित बच्चों में से कुछ की स्थिति गंभीर है।

शोधकर्ताओं ने कहा, 'संक्रमण वाली कई बीमारियां बड़ों के मुकाबले बच्चों को अलग तरह से प्रभावित करती हैं। इस अंतर को समझना बेहद अहम हो सकता है।' वैज्ञानिकों का कहना है कि पहले से किसी बीमारी के शिकार बच्चों में कोरोना के संक्रमण की आशंका ज्यादा रहती है। ऐसे बच्चों में कोरोना वायरस के प्रभाव को समझना भी मुश्किल होता है। ऐसे बच्चे जिनमें बिना किसी लक्षण के वायरस का संक्रमण है, उनसे किसी और में वायरस के फैलने का खतरा बढ़ जाता है। इसे ध्यान में रखते हुए वैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चों के मामले में ज्यादा सतर्कता जरूरी है। प्रयास होना चाहिए कि बच्चों को परिवार के उन सदस्यों से दूर रखा जाए, जिनमें संक्रमण का खतरा ज्यादा है, जैसे बुजुर्गों या बीमार लोगों से।

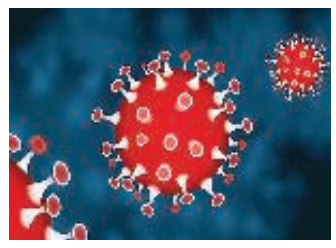

प्रतीकात्मक

ईरान में जेल से 23 कैदी हुए फरार

तेहरान, एएफपी : कोरोना वायरस जनित महामारी से जूझ रहे ईरान की एक जेल से शुक्रवार को 23 कैदी फरार हो गए। यह वाकया तब पेश आया जब जेल के सुरक्षाकर्मी पारसी नव वर्ष के मौके पर कैदियों को मिलने वाली सजा में छूट के सिलसिले में तैयारियां कर रहे थे। घटना लोरेस्तान प्रांत की राजधानी खुर्रमाबाद की है। ईरान में हर साल नव वर्ष नौरोज के मौके पर अच्छा बरताव करने वाले या उम्रदराज कैदियों को रिहा किया जाता है। इस बार दस हजार कैदियों को रिहा किए जाने की योजना है। पहली बार इतनी बड़ी संख्या में कैदी रिहा किए जा रहे हैं। इसकी बड़ी वजह कोरोना वायरस का प्रकोप है जिसके चलते सरकार जेलों में कैदियों खासतौर पर बुजुर्गों की संख्या कम करना चाह रही है। इसी योजना के चलते जेलों में कैदियों की छंटनी और उन्हें रिहा करने के लिए तैयारी चल रही है। इसी दौरान खुर्रमाबाद की जेल से कैदी निकल भागे।

स्पेन में डॉक्टरों का प्रदर्शन : उत्तरी स्पेन में डॉक्टरों ने कोरोना वायरस का इलाज करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को बेहतर सुरक्षा उपकरण की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। यह मांग कोरोना संक्रमित मरीजों की देखरेख करने वाली एक नर्स की मौत के बाद उठी है। प्रधानमंत्री पेड्रो सैंचेज ने श्रमिकों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 200 बिलियन यूरो जुटाने की घोषणा की है। एपी

विशेष केंद्र बनाएगी बांग्लादेश की सेना

ढाका, आइएएनएस : बांग्लादेश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने सेना की मदद लेने का फैसला किया है। इसकी जानकारी देते हुए देश के स्वास्थ्य मंत्री जाहिद मलिक ने गुरुवार को कहा कि कोरोना पीड़ितों की जांच और इलाज के लिए राजधानी ढाका के समीप तोंगी में सेना विशेष चिकित्सकीय निगरानी केंद्र का निर्माण करेगी। बांग्लादेश में कोरोना पॉजिटिव लोगों की संख्या 17 हो गई है। इनमें एक मरीज की मौत हो चुकी है। संक्रमण के चलते बांग्लादेश की सरकार लॉकडाउन की घोषणा कर सकती है। मलिक ने कहा कि संक्रमण के मामले बढ़ने पर कई जगहों पर लोगों की आवाजाही पूरी तरह से बंद की जा सकती है। सरकार पहले ही राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों को स्थगित करने की घोषणा कर चुकी है।

इटली में जहाज को अस्पताल में बदला गया

इटली में लगातार बढ़ते कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण अस्पताल मरीजों से भर गए हैं। कमी को पूरा करने के लिए पहली बार यात्री जहाज को अस्पताल में बदला जाएगा। क्रूज जहाज स्प्लेंडिड इटली के जेनोवा बंदरगाह पर खड़ा किया गया है। रायटर

मुंबई हमले के गुनहगार हाफिज सईद ने कराई एंजियोप्लास्टी

लाहौर, एएनआइ : मुंबई आतंकी हमले की साजिश रचने वाला हाफिज सईद हृदय संबंधी दिक्कतों से जूझ रहा है। लाहौर के एक अस्पताल में गुरुवार को उसकी एंजियोप्लास्टी की गई। अवरुद्ध धमनियों को खोलने के लिए एंजियोप्लास्टी की जाती है। आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक सईद आतंकी फंडिंग के मामलों में जेल की सजा काट रहा है।

स्थानीय मीडिया में आई खबरों के अनुसार, जेल में सईद ने सीने में तेज दर्द की शिकायत की थी। इसके बाद उसे लाहौर के पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में उसकी दायीं धमनी बंद पाई गई। अवरोधों को दूर कर दिया गया है। सईद को आतंकी फंडिंग से जुड़े दो मामलों में गत 12 मार्च को दोषी ठहराया गया था और साढ़े पांच साल जेल की सजा सुनाई गई थी। वर्ष 2008 में मुंबई पर हुए आतंकी हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सईद पर प्रतिबंध लगा दिया था। अपने मुल्क में ही वह आतंकी हमलों के 23 मामलों का सामना कर रहा है।

तुलसी गबार्ड ने भी छोड़ा मैदान, करेंगी जो बिडेन का प्रचार

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका में चल रही राष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया में अपनी डेमोक्रेटिक पार्टी में पिछड़ने के बाद भारतीय मूल की सांसद तुलसी गबार्ड (38) ने मैदान छोड़ दिया है। तुलसी अमेरिका की पहली हिंदू सांसद हैं और कई मौकों पर वह हिंदू संस्कृति की मजबूती के लिए आवाज उठा चुकी हैं। तुलसी ने अब अपनी पार्टी की उम्मीदवारी के लिए सबसे आगे चल रहे पूर्व उप राष्ट्रपति जो बिडेन का समर्थन करने का एलान किया है।

डेमोक्रेटिक पार्टी में राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवारी के लिए अब बिडेन और बर्नी सैंडर्स के बीच मुकाबला बचा है। हालांकि बर्नी जारी प्राथमिक चुनाव में बिडेन से काफी पीछे हैं। संभवतः बिडेन का ही मुकाबला रिपब्लिकन पार्टी की ओर से घोषित उम्मीदवार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से होगा। अमेरिका में राष्ट्रपति पद का चुनाव नवंबर में होना है। हवाई से सांसद तुलसी गबार्ड के समर्थन में बड़ी संख्या में भारतीय थे लेकिन वह आगे नहीं बढ़ सकीं। तुलसी अमेरिकी सेना की ओर से इराक युद्ध में भी जिम्मेदारी निभा चुकी हैं।

तुलसी गबार्ड। फाइल

हवाई से सांसद तुलसी ने ऑनलाइन वीडियो संदेश में कहा, 'मैं आज राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी के प्रचार का अभियान रोक रही हूं। मैं पूर्व उपराष्ट्रपति जो बिडेन को अपना पूरा समर्थन देती हूं, जो इस देश को एकजुट रखना चाहते हैं।' तुलसी ने आगे कहा कि हालांकि, मैं बिडेन के हर मुद्दों से इत्तेफाक नहीं रखती हूं लेकिन मैं जानती हूं कि वह सरल हृदय वाले इंसान हैं।

बता दें कि गबार्ड ने अमेरिका में 'हिंदूफोबिया' को लेकर भी टिप्पणी की थी। ट्विटर पर उन्होंने अपनी एक पोस्ट में कहा था, 'दुर्भाग्य से हिंदूफोबिया बिल्कुल वास्तविक है।

आइएस से जुड़ने जा रहा पाकिस्तानी डॉक्टर अमेरिका में गिरफ्तार

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिकी संघीय जांच एजेंसी एफबीआइ ने आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) में शामिल होने जा रहे पाकिस्तानी डॉक्टर मुहम्मद मसूद को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। अमेरिका के मिनिसोटा प्रांत में बतौर रिसर्च सहायक काम करने वाले 28 वर्षीय मसूद को एफबीआइ ने उस वक्त गिरफ्तार किया जब वह मिनीपोलिस से फ्लाइट लेकर लॉस एंजिलिस रवाना होने वाला था।

वह लॉस एंजिलिस के बाद किसी मालवाहक जहाज की मदद से आइएस के गढ़ सीरिया जाने की फिराक में था। इससे पहले उसने शिकागो से सीरिया के पड़ोसी देश जॉर्डन की राजधानी अम्मान के लिए हवाई टिकट खरीदा था, ताकि वहां से सीमा पार कर सीरिया पहुंचा जा सके। लेकिन कोरोना संक्रमण के चलते जॉर्डन की सीमा बंद हो जाने के कारण उसने अपनी योजना बदल दी थी।

मसूद पर जांच एजेंसी की पिछले कुछ महीनों से नजर थी। उसने कई लोगों से बातचीत में आइएस से अपने संबंध होने की बात कही थी।

बढ़ाई ताकत

रूस की 33 हजार किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली मिसाइल के जवाब में किया तैयार, मारक क्षमता से बदल देगी किसी भी युद्ध का नक्शा

अमेरिका ने किया हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण

वाशिंगटन, एएफपी : अमेरिका ने शुक्रवार को अपनी पहली हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय पेंटागन के अनुसार इस मिसाइल की गति ध्वनि की गति से कम से कम पांच गुना ज्यादा होगी। इस लिहाज से यह मिसाइल 6,200 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा गति से दुश्मन पर हमला करेगी। यह बैलेस्टिक मिसाइल परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम होगी। अमेरिका का यह कदम रूस के जवाब में उठाया गया है। रूस ने हाइपरसोनिक मिसाइल बनाकर उसकी तैनाती भी कर दी है।

इस मिसाइल के प्रोटोटाइप का सबसे पहले अक्टूबर 2017 में परीक्षण किया गया था। लेकिन गुरुवार को हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। यह परीक्षण थल सेना और नौसेना द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। यह जानकारी वाइस एडमिरल जॉनी वॉल्फ ने दी है। हाइपरसोनिक मिसाइल को दुनिया की सबसे तेज हमलावर मिसाइल माना जाता है। इससे किसी भी युद्ध का नक्शा बदल सकता है। इसकी गति रडार और एयर डिफेंस सिस्टम को भी चकमा दे सकती है।

नई मिसाइल 6,200 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा रफ्तार से करेगी दुश्मन पर वार। फाइल

दिसंबर 2019 में रूस ने एवेनगार्ड हाइपरसोनिक मिसाइल बनाकर अमेरिका के सामने नई चुनौती पेश कर दी थी। रूस का दावा है कि उसकी मिसाइल 33 हजार किलोमीटर प्रति घंटा (मैक 27) की रफ्तार से दुश्मन पर हमला करने वाली है।

इस रफ्तार से उड़ने वाली मिसाइल को किसी भी रडार से पकड़कर उसे रोकने के लिए कार्रवाई कर पाना असंभव सा है। चीन भी हाइपरसोनिक मिसाइल बनाने की दिशा में काम कर रहा है। अक्टूबर 2019 की अपनी राष्ट्रीय परेड में उसने तेज गति वाली डीएफ-17 मिसाइल का प्रदर्शन किया था लेकिन उसके हाइपरसोनिक होने पर शक है।

अपनों की उपेक्षा से हारी यूनिसेफ गर्ल

मुकेश कुमार 'अमन', सीतामढ़ी

▶ यूनिसेफ ने 2004 में अपनी पत्रिका के कवर पर कराटे चैम्पियन ललिता की तस्वीर की थी प्रकाशित

बिहार के सीतामढ़ी शहर से 15 किलोमीटर दूर रीगा प्रखंड के बुलाकीपुर गांव में एक कच्ची सड़क है। टेढ़े-मेढ़े रास्ते से गुजरने पर वार्ड नंबर-नौ में एस्बेस्टस की छत वाला एक घर दिखता है। यह घर 'यूनिसेफ गर्ल' ललिता की ससुराल है। कराटे गर्ल की तस्वीर यूनिसेफ ने 2004 में 'दुनिया के बच्चों की स्थिति' पत्रिका के कवर पर प्रकाशित की थी। बतौर शिक्षक स्कूल में सेवा देती हैं। मगर, प्रतिदिन कराटे की प्रैक्टिस करना नहीं भूलतीं। उस समय 160 देशों की लड़कियों के बीच कराटे प्रतियोगिता में ललिता ने सबको परास्त कर देश का नाम रोशन किया। ललिता पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी व बाद में नीतीश कुमार से सम्मानित हो चुकी हैं।

गरीबी के चक्रव्यूह में वे ऐसे फंसीं कि खास से आम बन गईं। मगर, इनके इरादे अब भी चट्टान की तरह हैं। जज्बा उफान पर है। ललिता जिले की लड़कियों को कराटे सिखाकर चैंपियन बनाना चाहती हैं। 31 वर्षीय ललिता कहती हैं कि सरकार मदद करे तो वह ऐसा कर सकती हैं। 2005 में सोनबरसा में तीन डिसमिल जमीन देने की घोषणा सरकार की ओर से की गई थी। लेकिन आज तक यह फाइलों में घूम रही है।

सोनबरसा के लक्ष्मीनिया के खोपराहा टोला निवासी महादलित भदई मांझी व स्वरूपिया देवी की बेटी ललिता ने बीएड तक की पढ़ाई की है। 2010 में प्रखंड शिक्षिका बनीं और उसी साल शादी हो गई। वह सोनबरसा प्रखंड के खाप मध्य विद्यालय में पढ़ाती हैं। पति ब्रजेश कुमार मांझी इंटर पास हैं, बेरोजगार हैं।

ललिता के साहस ने तय किया यूनिसेफ का सफर : ललिता जिस परिवार से ताल्लुक रखतीं, वहां लड़कियों के लिए पढ़ाई मुश्किल थी। मां-बाप सुबह-सुबह घास काटने भेज देते। वह घास की टोकरी खेत में छोड़ जगजगी केंद्र पर पढ़ने चली जाया करती थीं। मां-बाप को जब इसका पता चला तो उन्होंने घर से निकलने पर पाबंदी लगा दी। बाद में कन्हौली जगजगी केंद्र की सहेली शिक्षिका ने उनके मां-बाप को समझा कर पढ़ाई के लिए राजी कराया। पहले सोनबरसा फिर मुजफ्फरपुर महिला समाख्या में पढ़ाई की। इसी दौरान हजारीबाग में कराटे का प्रशिक्षण लिया। महिला समाख्या की संयोजक संगीता दत्ता का उन्हें भरपूर सहयोग मिला था। यूनिसेफ पदाधिकारी अगस्तीन उसे दिल्ली ले गए।

जिला प्रशासन करेगा ललिता की मदद : जिलाधिकारी अभिलाषा कुमारी शर्मा कहती हैं कि ललिता को प्रशासन हरसंभव सहयोग देगा। सरकार से भी मदद के लिए आग्रह किया जाएगा। वहीं, सांसद सुनील कुमार पिंटू कहते हैं कि केंद्रीय खेल मंत्री से बात करूंगा। जरूरत पड़ी तो प्रधानमंत्री से मिलूंगा।